एक नजर में

मप्र शिक्षक संघ के प्रयास से मिलेगा शिक्षकों को मिलेगा अर्जित अवकाश

खरगोन, निप्र। अवकाश के समय में जनगणना के कार्य में जुटे शिक्षकों के लिए अच्छी खबर है। आयुक्त लोक शिक्षण संचालनालय ने जनगणना में जुटे शिक्षकों के लिए अर्जित अवकाश का लाभ देने की घोषणा की है। मप्र शिक्षक संघ के रमेशचंद्र पाटीदार ने बताया कि 1 से 31 मई तक चलने वाली जनगणना 2026 में मकान सूचीकरण के कार्य में लगे सभी शिक्षको को ई-अटेंडेंस के आधार पर अर्जित अवकाश का लाभ दिया जाएगा। अर्जित अवकाश का लाभ दिए जाने की मांग मप्र शिक्षक संघ ने पुरजोर तरीके से उठाई थी, जिस पर यह आदेश जारी हुआ है।

गौ माता को राष्ट्र माता घोषित करने की मांग को लेकर राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

कसरावद, निप्र। गौ हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने एवं गौमाता को राष्ट्र माता घोषित करने की मांग को लेकर गुरुवार को जैन दिवाकर विचार मंच महिला शाखा द्वारा राष्ट्रपति महोदया एवं प्रधानमंत्री के नाम एक ज्ञापन एसडीएम सत्येंद्र बैरवा को सौंपा। ज्ञापन का वाचन जैन दिवाकर विचार मंच महिला शाखा की प्रदेश उपाध्यक्ष नमिता लूनिया ने किया। मंच सदस्यों ने बताया कि राष्ट्र संत श्री कमल मुनि जी कमलेश मा सा की पावन प्रेरणा एवं मार्गदर्शन से एवं देशव्यापी जन भावनाओं के अनुरूप यह ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से मांग की कि पूरे देश में गौ हत्या पर कठोर एवं पूर्ण प्रतिबंध के लिय एक समान केंद्रीय कानून बने। गौमाता को राष्ट्रीय स्तर पर विधिक मान्यता प्रदान करते हुए राष्ट्र माता घोषित करे। गोवंश संरक्षण, संवर्धन एवं आश्रय हेतु सशक्त नीति एवं वित्तीय प्रावधान कर कठोर क्रियान्वयन हो। गौ तस्करी एवं अवैध वध पर कठोर दंडात्मक प्रावधान लागू हो। इस अवसर पर नमिता लूनिया, पुष्पा लूनिया, शशि रायली, आशा लूनिया, भावना कवाड़, सुनीता मांडोत, नवीन लूनिया, नितिन रायली सचिन जैन आदि उपस्थित थे।

नारी शक्ति वंदन बिल पारित न होने पर बड़वाह में भाजयुमो ने किया राहुल गांधी का पुतला दहन

बड़वाह, निप्र। भाजपा युवा मोर्चा (भाजयुमो) ने लोकसभा और राज्यसभा में नारी शक्ति वंदन बिल पारित न होने पर कड़ी आपत्ति जताई है। कार्यकर्ताओं ने इसके लिए कांग्रेस समेत विपक्षी दलों को जिम्मेदार ठहराते हुए कांग्रेस पार्टी और नेता राहुल गांधी का पुतला दहन किया। उन्होंने बिल पारित होने तक आंदोलन जारी रखने की बात भी कही। भाजपा नगर मण्डल, भाजयुमो एवं महिला मोर्चा के नेतृत्व में गुरुवार शाम को जय स्तम्भ चौराहे पर बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एकत्र हुए। उन्होंने यहां नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने 'कांग्रेस पार्टी मुर्दाबाद 'राहुल गांधी मुर्दाबाद' और 'नारी का करो सम्मान' जैसे नारे लगाए। उन्होंने कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी का प्रतीकात्मक पुतला भी जलाया। भाजपा नगर मण्डल अध्यक्ष अंकित गुप्ता ने कहा कि केंद्र सरकार ने लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित करने के उद्देश्य से नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2026 पेश किया था। हालांकि, विपक्षी दलों के विरोध के कारण यह विधेयक संसद से पारित नहीं हो सका। इसे महिलाओं का अपमान बताते हुए, कांग्रेस और उसके नेताओं को जिम्मेदार ठहराया। इस कार्यक्रम में भाजयुमो नगर अध्यक्ष यश चौरसिया, महिला मोर्चा महामंत्री बबिता सोनी, पार्षद रजनी भंडारी, सावित्री चौरसिया, मीना चौहान, चन्द्रपाल सिंह तोमर, दीपक ठाकुर, गौतम खंडेलवाल, लक्की शाहू, निर्मल दांगी, कुणाल तिवारी, अधिश सोनी, यूनिक सुराणा, पियूष शर्मा, हर्षित चन्द्रवंशी, विशाल वर्मा, रितिक आदिवाल, यश राठौर सहित युवामोर्चा सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थ।

श्रद्धा-आस्था से मनाएंगे नृसिंह प्राकट्योत्सव

महेश्वर, निप्र। भारत भूमि का हर दिन त्यौहार व उत्सव के रूप में मनाया जाता है। सनातन संस्कृति इसका जीवंत उदाहरण है, जहां सूर्य की पहली किरण के साथ ही आनंद उत्सव प्रारंभ हो जाते हैं। हर कार्य प्रभु को समर्पण भाव से यहां किया जाता है। रेवा तट पर मंडल मिश्र सेवा संस्थान द्वारा संचालित मां नर्मदा संस्कृत पाठशाला पर भगवान विष्णु के चौथा अवतार भक्त वात्सल्य भगवान नृसिंह के जन्मोत्सव पर चल रहे लक्ष्मीनारायण यज्ञ में सुचिता एवं आस्था के साथ स्वाहाकार किया जा रहा है। गुरुवार को यज्ञ की पूर्णाहुति के साथ संध्या काल में भगवान नृसिंह के जन्मोत्सव के महा आरती होगी।

नृसिंह के मंत्रों से मिलती है भय से मुक्ति :- भगवान नृसिंह मंदिर पर चल रहे धार्मिक अनुष्ठान में मां नर्मदा सस्कृत पाठशाला के प्रधानाचार्य कहते हैं कि भगवान नृसिंह के मंत्रों का जाप करने से याचक को शत्रुओं से रक्षा, असाध्य रोगों से मुक्ति, जीवन में स्थिरता के साथ भय से मुक्ति से मुक्ति मिलती है। ग्रंथों में उल्लेख मिलता है कि यह मानसिक साहस, आत्मविश्वास देने के साथ नकारात्मक ऊर्जा से सुरक्षा प्रदान करता है। भगवान नृसिंह का मंत्र, तंत्र मंत्र बांधा, अकाल मृत्यु के डर से और कर्ज जैसी समस्याओं से भी का मुक्ति दिलाता है। पंडित सोहनी जी कहते हैं कि भगवान नृसिंह भक्तों के लिए रक्षक है और सभी कष्टों को दूर करके दुष्टों को दंड देते हैं, इसलिए उन्हें भक्त वात्सल्य कहा जाता है। त्रिदिवसीय धार्मिक अनुष्ठान के द्वितीय दिवस सुबह भगवान गणेश, लक्ष्मी नारायण के साथ अन्य स्थापित देवताओं व मंडलों का पूजन किया गया। यज्ञ में वेद मंत्रों व श्री सुक्त, पुरु सुक्त के मित्रों से आहुतियां डाली गई। यज्ञाचार्य पंडित युगल किशोर पण्ड्याजी कहते हैं कि यज्ञ में आहुति देना सिंधे भगवान के मुख में निवाला देने के समान है। वेदों का पहला अक्षर ही अग्नि है, अग्नि में डाले जाने वाली आहुतियों से देवता प्रसन्न होकर सुख, संपत्ति, संपन्नता, सद्बुद्धि, निरोगी काया देते हैं। लक्ष्मीनारायण यज्ञ का प्रभाव इतना है कि निसंतान दंपति को संतान सुख की प्राप्ति होती है। सायंकाल में मैंकलसुता मां नर्मदा का पूजन, दुग्धाभिषेक कर दीप दान किया गया। गुरुवार सुबह भगवान नृसिंह का आम रस, दुग्ध व नर्मदा के पावन जल से अमृताभिषेक किया जावेगा। नित्य पूजन के साथ लक्ष्मीनारायण यज्ञ में पूरे दिन स्वाहाकार होगा। शाम 6 :00 बजे यज्ञ की पूर्णाहुति होगी, व सायंकाल में भगवान नृसिंह का आकर्षक श्रृंगार कर भगवान का प्राकट्योत्सव मनाया जाएगा।

सीएम ने किया कतरगांव खरीदी केंद्र का औचक निरीक्षण

किसानों के लिए उपलब्ध सुविधाओं और व्यवस्थाओं का लिया जायजा

नवभारत न्यूज

खरगोन, निप्र। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने आज खरगोन प्रवास के दौरान कतरगांव स्थित आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था के परिसर में गेहूं उपार्जन केंद्र का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ यादव ने केंद्र पर उपार्जन व्यवस्थाओं और किसानों के लिए उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने किसानों से चर्चा कर उपार्जन प्रक्रिया पर उनकी प्रतिक्रिया भी जानी। उन्होंने केंद्र पर पंजीकृत विक्रेता कृषक संख्या, खरीदी गई मात्रा और भुगतान की गई राशि की जानकारी भी प्राप्त की।

उपार्जन केंद्र की व्यवस्थाओं का जायजा:- मुख्यमंत्री डॉ यादव ने उपस्थित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रत्येक अन्नदाता को सम्मान और सुविधा के साथ उपज का उचित मूल्य दिलाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है; इसलिए उपार्जन प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की समस्या का त्वरित निराकरण किया जाए। किसानों के उपज की तौल समय पर हो सके इसके लिए पर्याप्त संख्या में बारदाने, तौल कांटे, सिलाई मशीन, स्लॉट बुकिंग हेतु कंप्यूटर, नेट कनेक्शन, कंप्यूटर ऑपरेटर, आदि व्यवस्थाएं उपार्जन केन्द्र पर हमेशा उपलब्ध रहें। उन्होंने कहा कि केंद्र के सभी 6 तौल कांटों पर निरंतर तुलाई कार्य चलता रहे। उन्होंने केंद्र पर कृषकों की सुविधा के लिए पेयजल, छाया, बैठक, इत्यादि व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया तथा सुविधाएं बढ़ाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने उपार्जन केंद्र पर उपस्थित हम्मालों से गेहूं तुलाई के संबंध में जानकारी प्राप्त कर उन्हें शासन के निर्देशानुसार सही तौल करने के लिए अवगत कराया।

कृषक को सौंपी अनाज खरीदी की पावती

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने उपार्जन केंद्र से ई-उपार्जन पोर्टल पर अनाज खरीदी पावती जनरेट करने में पोर्टल पर लगने वाले समय एवं प्रक्रिया का विस्तृत परीक्षण किया। उन्होंने कृषक श्री सुरेश पाटीदार की 55 क्विंटल गेहूं की खरीदी उपरांत ई-उपार्जन पोर्टल पर कृषक को पावती आनलाइन जनरेट करवायी और कृषक को भुगतान राशि रुपए 1,44,374 का पावती पत्र सौंपा। उन्होंने श्री पाटीदार से पंजीकृत मोबाइल नंबर पर प्राप्त ओटीपी के माध्यम से पावती पत्र जनरेट और भुगतान प्रक्रिया की सुगमता के बारे में मत जाना। पाटीदार ने बताया कि उन्हें गेहूं उपज का न्यूनतम समर्थन मूल्य और बोनस से लगभग 1.5 लाख रुपए का भुगतान मिलेगा, जिससे वे संतुष्ट हैं।

कृषकों से किया संवाद, चाय पर चर्चा:- मुख्यमंत्री डॉ यादव ने उपार्जन केंद्र पर सर्वश्री विष्णु पाटीदार, प्रवीण पाटीदार, कपूरचंद पाटीदार, अजय पाटीदार, हरिश्चंद्र पाटीदार और सुरेश यादव से गेहूं की तौल, गुणवत्ता और उपार्जन व्यवस्थाओं के सबंध मे चर्चा की। कृषकों ने बताया कि बाजार भाव कम होने के कारण सरकार द्वारा बोनस सहित समर्थन मूल्य पर 2625 रुपए मे गेहूं खरीद कर किसानों को बड़ी राहत दी जा रही है।

किसानों को भुगतान भी दो-तीन दिवस में प्राप्त हो रहा है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने चाय पर चर्चा के दौरान कृषक भागीरथ मालवीय एवं सुरेश यादव से खेती के साथ-साथ पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन से प्राप्त आय के बारे में भी विस्तृत चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ यादव के निरीक्षण के दौरान महेश्वर विधायक राजकुमार मेव, पुलिस महानिरीक्षक सिद्धार्थ बहुगुणा, कलेक्टर भव्या मित्तल, एसपी रवींद्र वर्मा, उपसंचालक कृषि शिवसिंह राजपूत, उपायुक्त सहकारिता श्री कांशीराम अवासे, जिला आपूर्ति अधिकारी एचएस मुवेल, सीईओ जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित संध्या रोकड़े सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

ट्रॉली पर चढ़कर सीएम डॉ. मोहन ने किसानों से जाना हाल, अधिकारियों को दिए निर्देश

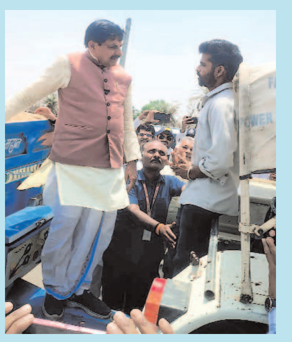

खरगोन, निप्र। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का 30 अप्रैल को अनोखा अंदाज दिखाई दिया। उन्होंने आज शाजापुर-खरगोन के उपार्जन केंद्रों का दौरा किया। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों को जरूरी दिशा निर्देश भी दिए। वे शाजापुर जिले के मकोड़ी स्थित श्यामा वेयर हाउस पहुंचे। उन्होंने यहां बाकायदा ट्रॉली पर चढ़कर किसानों से चर्चा की। इस दौरान उन्होंने गेहूं का वजन भी तुलवाकर देखा। उनके इस अंदाज की तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। शाजापुर से पहले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज सुबह अचानक खरगोन जिले के कतरगांव में बनाए गए उपार्जन केंद्र के निरीक्षण लिए पहुंचे। इस दौरान उन्होंने उपार्जन की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने यहां किसानों से चर्चा की। इसके अलावा उन्होंने केंद्र से संबंधित लोगों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। बता दें, मध्यप्रदेश सरकार ने किसानों के लिए उपार्जन केंद्रों पर छाया, बैठक और कई अन्य सुविधाओं की व्यवस्था की है। अब किसान जिले के किसी भी उपार्जन केन्द्र पर उपज विक्रय कर सकते हैं। इतना ही नहीं, किसानों को गेहूं की तौल के लिए इंतजार नहीं करना पड़े इसके लिए उपार्जन केन्द्रों में तौल कांटों की संख्या बढ़ाकर 6 कर दी गई है। सरकार जिलों में और भी तौल कांटे बढ़ा रही है।

उचित व्यवस्था के दिए निर्देश :- मुख्यमंत्री ने खरगोन में कलेक्टर और मंडी सचिव को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उपार्जन-खरीदी केंद्रों पर पूरे 6 तौल कांटे लगाए जाएं। गेहूं खरीदी के आज से नए मापदंड जारी हुए है वह लागू हो जाएं। किसानों के लिए उपार्जन-खरीदी केंद्रों पर पर्याप्त छाया और शीतल पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हर अन्नदाता को सम्मान और सुविधा के साथ उपज का उचित मूल्य दिलाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उपार्जन प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की समस्या का त्वरित निराकरण किया जाए। किसानों के उपज की तौल समय पर हो सके इसके लिए पर्याप्त संख्या में बारदाने, तौल कांटे, सिलाई मशीन, स्लॉट बुकिंग हेतु कंप्यूटर, नेट कनेक्शन, कंप्यूटर ऑपरेटर, आदि व्यवस्थाएं उपार्जन केन्द्र पर हमेशा उपलब्ध रहें। उन्होंने कहा कि सभी केंद्र के सभी 6 तौल कांटों पर निरंतर तुलाई कार्य चलता रहे। उन्होंने केंद्र पर कृषकों की सुविधा के लिए पेयजल, टेंट, बैठक, इत्यादि व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया तथा सुविधाएं बढ़ाने के निर्देश दिए।

शिविर में दी पशु पालन और दवाइयों के बारे में जानकारी

अंदड, निप्र। पशुपालन एवं डेयरी विभाग के तहत जमुनिया में शिविर का आयोजन किया गया, शीर धारा योजना के तहत शिविर में अंदर एवं जमुनिया के किसानों ने भाग लिया शिविर में क्षेत्र के प्रभारी डॉ राजेश वर्मा, द्वारा किसानों को दुग्ध उत्पादन के साथ ही नस्ल सुधार करने की सलाह दी एवं दवाई गोली वितरण की गई, गौ सेवक पवन बर्वे, द्वारा दवाई वितरण करते हुए पशुओं को समय पर चारा पानी देने, की सलाह दी, इस अवसर पर कृषक गणपति यादव राकेश यादव, प्रशांत मीणा, वह अन्य कृषक वर्ग उपस्थित थे।

जवाहरलाल इंस्टीट्यूट बोरावां में एआई हैकाथॉन कल से

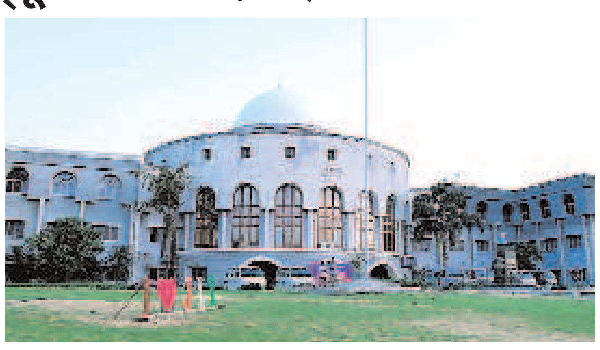

खरगोन, निप्र। तकनीकी नवाचार एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल के अंतर्गत जवाहरलाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, बोरावां (खरगोन) में दो दिवसीय राष्ट्रीय स्तर के 'एजेंटिक एआई हैकाथॉन 2026' का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह प्रतिष्ठित कार्यक्रम 2 एवं 3 मई 2026 को प्रतिदिन प्रात: 9.30 बजे से प्रारंभ होगा।

राष्ट्रीय स्तर का तकनीकी आयोजन, माइक्रोसॉफ्ट का सहयोग:- संस्थान के प्राचार्य एवं एकेडमिक डीन द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, यह हैकाथॉन शीकुंज एजुकेशन के तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है, जिसे माईक्रोसॉफ्ट का महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त है। इसके साथ ही कार्यक्रम को माईक्रोसॉफ्ट अजूरे एवं अजूरे डेवलपर कम्यूनिटी का भी सक्रिय समर्थन मिल रहा है, जिससे प्रतिभागियों को अत्याधुनिक तकनीकी प्लेटफॉर्म और संसाधनों का लाभ मिलेगा।

देशभर से प्रतिभागियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी:- इस वर्ष हैकाथॉन को राष्ट्रीय स्वरूप प्रदान किया गया है। देश के विभिन्न राज्यों से प्रतिभागियों ने इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया है। अब तक लगभग 70 टीमों ने पंजीकरण कराया है, जिनमें कुल 254 छात्र शामिल हैं। यह आंकड़ा आयोजन के प्रति युवाओं के उत्साह और तकनीकी रुचि को दर्शाता है।

एजेंटिक एआई पर आधारित नवाचार और प्रायोगिक अनुभव:- दो दिवसीय इस आयोजन में प्रतिभागियों को एजेंटिक एआई जैसी उन्नत तकनीकों पर कार्य करने, नवाचार प्रस्तुत करने एवं अपने कौशल का प्रदर्शन करने का सुनहरा अवसर मिलेगा। इसके अंतर्गत प्रतिभागी विभिन्न वास्तविक जीवन से जुड़ी समस्याओं पर आधारित प्रोजेक्ट्स विकसित करेंगे, जिससे उन्हें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के व्यावहारिक उपयोग की गहरी समझ प्राप्त होगी।

खरगोन जिले के लिए गौरव का अवसर:- संस्थान के लिए यह अत्यंत गौरव का विषय है कि जवाहरलाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, बोरावां इस वर्ष इतने बड़े राष्ट्रीय स्तर के तकनीकी आयोजन की मेजबानी कर रहा है। इस आयोजन से न केवल क्षेत्र के विद्यार्थियों को नई दिशा मिलेगी, बल्कि स्थानीय तकनीकी समुदाय को भी नवाचार और कौशल विकास के नए अवसर प्राप्त होंगे।

नवाचार और अवसरों की नई राह:- 'एजेंटिक एआई हैकाथॉन 2026' के माध्यम से युवाओं को भविष्य की उन्नत तकनीकों से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। यह आयोजन निश्चित रूप से तकनीकी शिक्षा को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में सहायक सिद्ध होगा और विद्यार्थियों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करेगा।

महेश्वर परियोजना स्थल पर सोलर पावर प्लांट का लोकार्पण

मंडलेश्वर, निप्र। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव गुरुवार सुबह 10 बजे महेश्वर परियोजना के हेलीपेड से टेक ऑफ कर गए। वे बुधवार की शाम 5 बजे यहां उतरे थे। बुधवार को हेलीपेड पर महेश्वर बाँध प्रभावितो की ओर से सुलगांव के रामेश्वर पाटीदार और गोगांवा के मोहन सिंह राणा ने उन्हें एक ज्ञापन सौप दिया था।

महेश्वर परियोजना पर कोई बात नहीं की:- मध्य प्रदेश के मुखिया ने बुधवार की शाम इंदौर जल परियोजना की बिजली आपूर्ति के लिए बने 60 मेगावॉट के सोलर पॉवर प्लांट का लोकार्पण किया इस प्लांट का लोकार्पण समारोह महेश्वर जल विद्युत् परियोजना के वीरान पड़े स्थल पर किया गया। हैरानी की बात यह रही की ऊर्जा जरूरतों पर दिए गए अपने उद्बोधन में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने महेश्वर परियोजना का कोई जिक्र नहीं किया 400 मेगावॉट क्षमता की महेश्वर परियोजना बनकर तैयार खड़ी हैं। और वर्तमान में परियोजना का मैनेजमेंट एन सी एल टी के पास हैं।

परियोजना चालू करने की मांग की:- महेश्वर परियोजना में 13 गांव पूर्ण और 9 गांव आंशिक रुप से प्रभावित होंगे इन गाँवो का पुनर्वास (कुछ को छोड़कर) भी लगभग 90 प्रतिशत हो चुका हैं। प्रभावित ग्राम सुलगाँव के प्रभावित किसान रामेश्वर पाटीदार ने बताया कि प्रभावित गाँवो में कोई विकास कार्य नहीं हो पा रहे हैं और नहीं किसी को शासन कि कल्याण कारी योजनाओं का लाभ मिल पा रहा हैं। डूब प्रभावित गाँवो के लोग विकास में काफी पिछड़ चुके हैं इसलिए हमने मुख्यमंत्री को ज्ञापन देकर महेश्वर परियोजना को शीघ्र चालू करने कि मांग की हैं। महेश्वर परियोजना से जुड़े कर्मचारी मोहन सिंह राणा ने बताया की हेलीपेड पर मुख्यमंत्री ने ज्ञापन ले लिया लेकिन उनसे चर्चा नहीं हो पाई हमें चर्चा के लिए महेश्वर बुलवाया गया था लेकिन वहा भी हम मिल नहीं सके उसके बाद हमें बुधवार सुबह हेलीपेड पर भी मिलने का मौका नहीं मिल सका। आशा हैं मुख्यमंत्री हमारी मांगो पर विचार करेंगे। हमने मुख्यमंत्री से मांग की हैं की परियोजना से जुड़े कर्मचारियों का 44 महीने का वेतन बकाया हैं उसका भुगतान किया जाए और परियोजना को शुरू करने का अतिशीघ्र निर्णय लेना चाहिए ताकि क्षेत्र का विकास हो सके। एन सी एल टी कोर्ट द्वारा कुछ दिन पूर्व एक आदेश पारित किया था जिसमे सरकार को निर्देशित किया गया है परियोजना को लिक्विटेक्शन मे ना ले जाते हुए परियोजना को चालू किया जाना चाहिए कोर्ट ने सरकार से जवाब माँगा है।

एक नजर में — नमामि देवी नर्मदे की पवित्र गूंज और आकर्षक आतिशबाजी के बीच मुख्यमंत्री ने मां नर्मदा से प्रदेश की सुख समृद्धि की कामना की

महेश्वर तट पर किया गोदा से निकली नर्मदा जलयात्रा का समापन

नवभारत न्यूज

खरगोन, निप्र। महाराष्ट्र के गोदा से निकली नर्मदा जलयात्रा का महेश्वर नर्मदा तट पर समापन किया गया। समारोहपूर्वक हुई इस जलयात्रा समापन समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी शामिल हुए।

सीएम डॉ. यादव सहित महाराष्ट्र सरकार के मंत्रियों एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों ने महेश्वर के ऐतिहासिक अहिल्याघाट पर विधि.विधान से मां भगवती नर्मदाष्टक महाआरती की। नमामि देवी नर्मदे की पवित्र गूंज और आकर्षक आतिशबाजी के बीच मुख्यमंत्री ने मां नर्मदा से प्रदेश की सुख समृद्धि की कामना की। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने छत्रपति शिवाजी महाराज और लोकमाता अहिल्यादेवी की प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में गोदा से नर्मदा जलयात्रा के दौरान एकत्रित किए गए जलकलश और मिट्टीकलश मुख्यमंत्री डॉ. यादव को सौंपे गए। कार्यक्रम के दौरान महती सभा में मुख्यमंत्री ने कहा लोकमाता अहिल्यादेवी होलकर ने आदर्श योद्धा, शक्तिशाली शासिका और पुण्यश्लोका के रूप में सनातन संस्कृति को गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि जन्मत्रिशताब्दी के अवसर पर महाराष्ट्र शासन द्वारा आयोजित की गई गोदा से नर्मदा जलयात्रा के समापन पर उनकी कर्मभूमि महेश्वर में आज उत्साह का वातावरण है, जो अहिल्यादेवी के विरासत के महत्व को रेखांकित करता है। उन्होंने कहा कि लोकमाता अहिल्यादेवी की विरासत ऐसी है कि उन्हें समर्पित जलयात्रा जिसका शुभारंभ एक प्रदेश के मुख्यमंत्री और समापन दूसरे प्रदेश के मुख्यमंत्री करते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश राज्य अपनी सांझा विरासत की कारण जुड़वां भाई की तरह है। महाराष्ट्र शासन का अभिनंदन किया। जल संसाधन मंत्री महाराष्ट्र शासन डॉ. राधाकृष्ण विखे.पाटिल ने कहा कि लोकमाता अहिल्यादेवी के जलप्रबंधन, लोक कल्याण और सुशासन के आदर्श आज भी प्रेरणास्त्रोत हैं। गोदा से नर्मदा जलयात्रा लोकमाता की इसी जलप्रबंधन विरासत को साथ लेकर जनजागरुकता के उद्देश्य से निकाली गई थी। यात्रा के दौरान गोदावरी सहित महाराष्ट्र की 130 अन्य नदियों का जल और लोकमाता की जन्मस्थली चोंडी की पवित्र मिट्टी लेकर लोकमाता की कर्मस्थली महेश्वर पहुंची है। इस जलकलश और मिट्टीकलश का उपयोग कर रजवाड़ा परिसर में बेलपत्र का पौध रोपण किया जाएगा। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का जलयात्रा के समापन समारोह में शामिल होने पर आभार व्यक्त किया। श्री चंद्रशेखर बावनकुले, राजस्व मंत्री, महाराष्ट्र शासन ने कहा कि गोदा से नर्मदा जलयात्रा का लोकमाता अहिल्यादेवी होलकर की जन्मत्रिशतब्दी के उपलक्ष्य में आयोजन किया गया था, जिसमें आध्यात्म, पर्यावरण संरक्षण, सांस्कृतिक का अद्भुत संगम था। कार्यक्रम के अंत में विपणन और राजशिष्टाचार मंत्री महाराष्ट्र शासन जयकुमार रावल ने आभार व्यक्त किया।